दिव्यांगजनों के लिए संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन - रिपोर्ट

संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में अणुशक्तिनगर स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की पाँचों इकाइयों (भापाबो, निसेसंप्रनि, क्रभनि, ब्रिट एवं पऊनिप) के दिव्यांगजन अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए दिनांक 19 जून, 2024 से दिनांक 20 जून, 2024 तक विपस हॉल, वि.एस. भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई में दो-दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला के आयोजन का दायित्व भारी पानी बोर्ड, मुबंई को दिया गया था।

कार्यशाला में पाँचों यूनिटों के राभाकास सदस्यगण, संकेत भाषा विशेषज्ञ,हिंदी पदाधिकारीगण के साथ-साथ सभी यूनिटों के नामित 25 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया था।

कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र में श्री के. स्वामीनाथन, अध्यक्ष, संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति एवं मुख्य प्रशासन अधिकारी, भापाबो ने सभी का स्वागत किया और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। प्रथम सत्र में श्रीमती अनुराधा दोडके, उप निदेशक (राभा), निसेसंप्रनि की ने "संघ की राजभाषा नीति" के मुख्य बातों पर चर्चा की। इसके पश्चात श्री के. स्वामीनाथन, मुख्य प्रशासन अधिकारी, भापाबो ने प्रशासनिक नियम एवं रिकॉर्ड प्रबंधन के तहत आचरण नियमावली, एल.टी.सी., छुट्टी, संसदीय क्रियाविधि एवं स्वच्छता आदि से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

भोजन के उपरांत श्री बी.टी. शेषासाई, महाप्रबंधक (संरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण), भापाबो ने दैनिक जीवन में संरक्षा पर लाभदायक व्याख्यान दिया। प्रथम दिवस के अंतिम सत्र में श्री धनेश परमार, सहायक निदेशक (राभा), पऊनिप ने योग उपचार पर महत्त्वपूर्ण बातें बताई एवं योग अभ्यास

करवाया । कार्यशाला में सभी व्याख्यानों के दौरान संकेत भाषा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित श्रीमती निशा जोशी उपस्थित रहीं । उनके सहयोग के लिए उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया ।

कार्यशाला के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में श्री के. स्वामीनाथन , मुख्य प्रशासन अधिकारी, भापाबो ने प्रशासनिक नियम एवं रिकॉर्ड प्रबंधन से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर अपनी चर्चा जारी रखी ।

इसके पश्चात श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक(राभा), भापाबो ने भाषा कौशल के विविध आयामों की चर्चा करते हुए साहित्य के सौंदर्य मूल्यों पर प्रकाश डाला ।

भोजन के उपरांत श्रीमती विद्याश्री, सहायक निदेशक (राभा), ब्रिट ने प.ऊ.वि. के हिंदी की प्रोत्साहन योजना के मूल बिंदुओं की व्याख्या की तथा सभी प्रतिभागियों को इस योजना के तहत प्रोत्साहन संबंधी आर्थिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया ।

कार्यशाला के अंतिम सत्र में पाँचों यूनिटों के मुख्य प्रशासन अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी-III के साथ चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री के. स्वामीनाथन, मुख्य प्रशासन अधिकारी, भापाबो, श्री संजय कांबले, मुख्य प्रशासन अधिकारी, क्र.भ.नि, श्री एस.एस. गोंडाणे, मुख्य प्रशासन अधिकारी, निसेसंपनि, श्री सेल्वम गौंडर, प्रशासनिक अधिकारी-III, पऊनिप, श्री एन. आर. सुधींद्र, प्रशासनिक अधिकारी-III, ब्रिट उपस्थित थे, जिसमें दिव्यांगजन अधिकारियों/कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर सार्थक विचार- विमर्श किया गया तथा कार्यशाला के दौरान एवं विविध विषयों से संबंधित प्रश्नों पर भी चर्चा की गई ।

कार्यशाला के अंत में श्री एस. सत्याकुमार, मुख्य कार्यकारी, भापाबो ने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों की सराहना करते हुए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया । सभी कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए श्रीमती अनुराधा दोडके, उप निदेशक(राभा), निसेसंप्रनि ने धन्यवाद ज्ञापन किया । श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक(राभा), भापाबो ने समापन सत्र का संचालन किया । कार्यशाला में सभी व्याख्यानों के दौरान संकेत भाषा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित श्रीमती टिन्सी बाबू मरकस्सेरी उपस्थित रहीं । उनके सहयोग के लिए उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया । राष्ट्रगान के साथ इस कार्यशाला का सफल समापन हुआ ।

****